REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.2331(UIF)
VOLUME - 7 | ISSUE - 5 | FEBRUARY - 2018

# कारखानों में काम करने वाली महिला श्रमिकों का अध्ययनः– कानपुरमहानगर के सन्दर्भ में

**शफीकुन निशा**
शोध छात्रा, समाज शास्त्र एवम समाज कार्य विभाग
डा. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीयपुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ.

## संक्षेप

कानपुर नगर उ0प्र0 की औधोगिक राजधानी है, अतः यहाँ पर कारखाने एवं कारखानों में काम करने वाली महिलाओं की अधिकता है, इन परिस्थितियों के मद्देनजर उपरोक्त सर्वेक्षण के द्वारा कारखानों में काम करने वाली महिला श्रमिकों का अध्ययन किया जाना एक अत्यंत ही सार्थक विषय है, इस शोध पत्र में शोधार्थी ने इन महिला श्रमिकों की स्थिति के बारे में अध्ययन किया है तथा उनकी स्थिति को सुधारने के सुझाव प्रस्तुत किया है।

**मुख्य शब्दः** कामकाजी महिलाएं, कारखाने, कानपुर

## अध्ययन का उद्देश्य

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य कानपुर के कारखानों में काम करने वाली श्रमिकों की स्थिति का अवलोकन करना है तथा उनकी स्थिति को सुधारने के लिए आवश्यक सुझाव देना है।

## अध्ययन का क्षेत्रः–

कानपुर नगर उ0प्र0 का विशाल नगर है और देश में जनसंख्या के आधार पर यह आठवें स्थान पर आता है। (2011) के जनगणना के आधार पर वर्ष 1857 के बाद कानपुर का औद्योगिक विकास तेजी से हुआ जब एलन कूपर कम्पनी ने ब्रिटिश सेना के लिए चमड़ा कारखाने का निर्माण किया, उसके बाद 1862 से कपड़ा उद्योग के महत्व ने इसे 'भारत का मैनचेस्टर' का उपनाम भी दिया जो उस समय अंतरराष्ट्रीय प्रतिमान था। क्रमशः लाल इमली के ऊनी वस्त्र कारखाने, खाद कारखाने, सैनिक साजो–सामान के कारखाने, पान पराग, दुनिया का सबसे बड़ा चमड़ा उद्योग और विविध प्रकार के वस्त्र उद्योगो ने इसे कारखानों के नगर का नाम दे दिया जो आज भी प्रचलित है।

## कारखानों में महिला सह–भागिता की स्थितिः–

देश की 39.7 करोड़ कार्यरत जनसंख्या में महिला सहभागिता 12.4 करोड़ है। इनमें 96 प्रतिशत महिलाएं असंगठित क्षेत्र में आती है जो कि सोचनीय है। देश की 30 प्रतिशत महिलाएं नगरीय क्षेत्रों में रहती है अतः उन्हें कार्य करने के अवसरा की तलाश रहती है। कारखानों में कार्य करने के अवसर विविधि और अधिक होते है अतः महिलायें अपनी सहभागिता बढ़ाना चाहती हे ताकि वे नगरीय जीवन के अनुकूल आय

पा सके।आजीविका हेतु महिला सह–भागिता क्रमशः बढ़ती भी जा रही है किन्तु महिला श्रमिकों को अंसगठित क्षेत्र में कम आय वाले कार्य मिलते है। जिनमे नौकरी की सुरक्षा नहीं होती और सामाजिक सुरक्षा का भी आभाव होता है। उन्हें अकसर 12 घंटे कार्य करना पड़ना पड़ता है जिसमे स्वास्थ्य की समस्या होती है और सुरक्षा का आभाव होता है ।

कारखानों में ऐसे कार्यो में जिनमें उत्पाद की संख्या के आधार पर वेतन मिलता है कार्य करने का वातावरण अनुकूल नहीं होता है। महिला श्रमिकों को निकृष्ट समझा जाता है, उनकी क्षमता को कम आंका जाता है तथा उनका उत्पीड़न भी किया जाता है।

वर्ष 2011 में कारखानों में पुरूषों का अनुपात वर्ष 2013 में महिला भागीदारी का अनुपात मात्र 16 प्रतिशत था। 2012–13 में वेतन भोगी पुरूषों का अनुपात 21 प्रतिशत और महिलाओं का अनुपात 13 प्रतिशत के लगभग था। इससे कार्य योग्य महिलाओं को रोजगार के अवसर कम प्राप्त होना सिद्ध होता है।

महानगर में चमड़ा उद्योग की अधिकता जिनमें विविध रोजगार के अवसर मिलते है किन्तु इनमें महिलाओं के लिए विशेष अवसर बहुत ही कम हे। कानपुर महानगर में सूती होजरी, वस्त्रोद्योगों की भी अधिकता है। इनमें उत्पाद की संख्या के आधार पर वेतन मिलता है जो कम है तथा अनियमित भी होता है। साबुन के कारखाने है तथा कपड़े सिलना महत्वपूर्ण सेवा कार्य क्षेत्र है जिनमे महिलाओं की वरीयता दी जाती है।यह अंसगठित क्षेत्र है अतः उन्हें उचित और लगातार आय नहीं मिलती।

## कारखानों में रोजगार के अवसर एवं महिलाएंः–

देश में महिलाओं की भागीदारी का अनुपात बढ़ रहा तथा उनके कार्य करने के अवसर भी बढं रहे है क्योंकि देश में स्नातक स्तर पर महिला भागीदारी अधिक है। पी0एच0डी0 स्तर पर महिला नामांकन लगभग 477 हो गया है यह संकेत है कि रोजगार में महिला सहभागिता के अवसर विविध और अधिक हो रहेहै।स्नातकों की आवश्यकता (अर्थशास्त्र/वाणिज्य/प्रबंधन/भूगोल/समाजशास्त्र आदि) 21वीं सदी के कारखानों का भविष्य तय करने में इनकी भूमिका अनिवार्य होती जा रही है। इस पर वैश्वीकरण प्रभाव देखने को मिल रहा है। वर्तमान समय में कानपुर में उद्योगा का विकास पनकी से दादा नगर, कालपी मार्ग, रूमा, चकेरी, जैसे क्षेत्रों में भी हो रहा है।

कानपुर के चमड़ा उद्योग की देश में चमड़े केनिर्यात में 15 प्रतिशत भागीदारी है जो भविष्य में और भी बढ़ेगी। अतः शिक्षित कामगारों की मांग बढ़ेगी। महिलाओं की उच्चशिक्षा में बढती भागीदारी को महिलाओं की कारखानों के प्रबंधन मे सहभागिता के बढ़ते अवसर के रूप में देखा जा सकता है। कानपुर महानगर में हस्तशिल्प, हस्तकारी और हस्त कौशल उद्योगों के कारखानों का भविष्य भी उज्जवल है। यहाँ का परमपरागत उद्योग –वस्त्र डिजाईन, रग, मिट्टी के बर्तन, दैनिक सजावट की वस्तुएं, संगमरमर नक्काशी, मूर्ति निर्माण ,चर्मशोधन जैसे कार्य भी आते है। ऐसे कार्यो में महिलाओं की क्षमता, उनकी सोच ,कुशलता, संगठन क्षमताके कारण महिला रोजगार के अवसरबढ़ सकते है।

## कानपुर स्मार्ट सिटी परियोजनाः कारखानों में महिला सहभागिता की संभावनाएँः–

इस परियोजना में स्वच्छता के साथ उद्योगों का आधुनिकीकरण, अव–संरचनात्मक विकास आदि भी शामिल किया गया है। गैर परमपरागत उद्योगो में भोजन प्रवर्धन उद्योग प्रमुख हैं। जिसमे महिलाओ को रोजगार में प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

कानपुर के औधोगिक समूह जैसे जे0जे0 समूह, बी0आर0 समूह, राष्ट्रीय वस्त्र उद्योग, बेकरी, चर्म शोधन, जूता उधोग, काठी उधोग, जीन–साजी उधोग आदि मिलकर कानपुर महानगर में उद्योगों का आधुनिकीकरण कर सकते है । इसमें अनिवार्य रूप से कारखानों में महिला सहभागिता के अवसर, रोजगार की गुणवत्ता एवं महिला कर्मियों के लिए न्यायसंगत आर्थिक–सामाजिक उन्नत अवसर सृजित होगें और उत्पादकता भी बढेगी।

## अनुसंधानप्रक्रियाः–

इस अनुसंधान के लिए आवश्यक जानकारी प्राथमिक आंकड़ों के संकलन के आधार पर की गयी है आंकड़ा के संकलन के लिए बहुस्तरीकृत क्रमरहित प्रतिचयन विधि का प्रयोग किया गया है मध्यवर्ती एवं प्रतिशत विधियों

का प्रयोग कर के एकत्रित किये गए आंकड़ो की अर्थपूर्ण एवं विधिवत विवेचना की गयी है। प्राप्त किये गए निष्कर्षो को पाई चार्ट के द्वारा दर्शाया गया है।

**प्रतिचयनः—**

स्तरीकृत क्रमरहित प्रतिचयन

**अध्ययन का समयः—**

उपरोक्त अध्ययन में आंकड़ो का संकलन फरवरी 2017 से जुलाई 2017 के मध्य तथा विवेचना अगस्त 2017 से अक्टूबर 2017 के मध्य की गयी है, अध्ययन का सम्पूर्ण समय फरवरी 2017 से अक्टूबर 2017 है।

**प्राथमिक आकड़ः—**

प्राथमिक आंकड़ो का संकलन कानपुर नगर के विभिन्न कारखानों में काम करने वाली महिलाओं से बातचीत कर के किया गया है, इस अध्ययन में कुल 627 महिलाओं ने भाग लिया।

अध्ययन के समय यह भी ज्ञात हुआ कि कम शिक्षा तथा अशिक्षा के कारण बहुत सी महिलाओं ने तो इस अध्ययन में भाग ही नहीं लिया अन्यथा अध्ययन मे सम्मलित महिलाओं की संख्या कहीं अधिक होती।

**प्राथमिक आंकड़ेः—**

**1. परिवार का आकार**

| छोटा (2—4) | मध्यम (4—6) | बड़ा (6से अधिक) |
|---|---|---|
| 56 | 215 | 356 |

**(सारणी संख्या 1)**

प्रस्तुत शोध के अध्ययन में की गयी कुल 627 महिलाओं में से 56 महिलाएं छोटे परिवार से थी जिसमें परिवार के सदस्यों की संख्या 2—4 सदस्य है, 215 महिलाएं मध्यम परिवार से थी जिसमें परिवार के सदस्यों की संख्या 4—6 सदस्य है तथा 356 महिलाएं बड़े परिवार से थी जिसमें परिवार के सदस्यों की संख्या 6 से अधिक है।

**2. वैवाहिक स्थिति**

| शादी शुदा | अविवाहित | अकेली माँ | विधवा | तलाक शुदा |
|---|---|---|---|---|
| 321 | 73 | 165 | 25 | 43 |

**(सारणी संख्या 2)**

प्रस्तुत शोध के अध्ययन में की गयी कुल 627 महिलाओं में से 321 महिलाएं शादी शुदा थी, 73 महिलाएं अविवाहित थीं जिनमे से ज्यादातर की उम्र 18—20 वर्ष की थी, 165 महिलाएं अकेली माँ थीं जिनमे से अधिकतर महिलाओं को उनके पति ने छोड़ दिया था तथा वे अकेले ही अपने बच्चों के साथ जीवन यापन कर रही थीं, 25 महिलाएं विधवा तथा 43 महिलाएं तलाक शुदा थी।

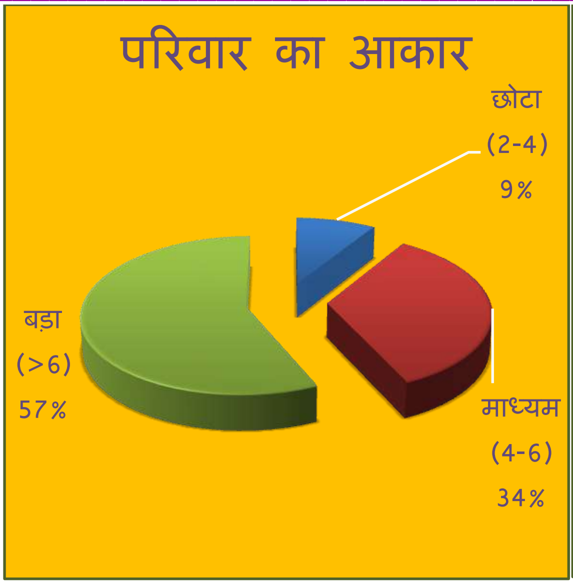


(चित्रसंख्या१)

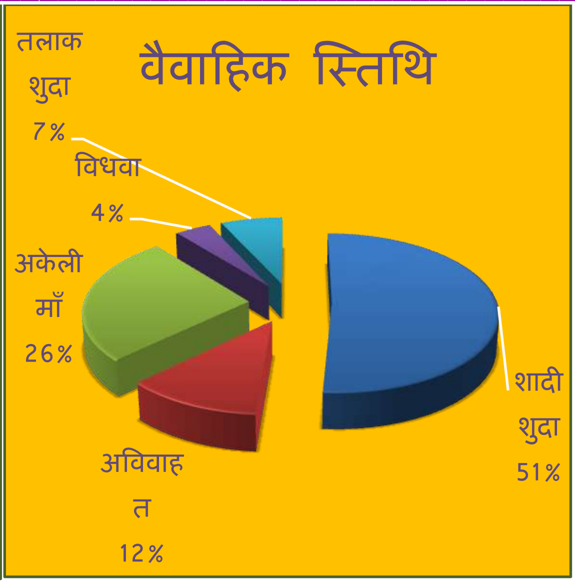


(चित्रसंख्या२)

### 3. आयु वर्ग

| 20सालसे कम | 20–30साल | 30–40 साल | 40–50साल | 50–60साल | 60 सालसे अधिक |
|---|---|---|---|---|---|
| 67 | 106 | 137 | 185 | 66 | 46 |

(सारणी संख्या 3)

प्रस्तुत शोध में अध्ययन में की गयी कुल 627 महिलाओं में से 87 महिलाओं की उम्र 20 साल से कम थी, 106 महिलाओं की उम्र 20–30 साल के बीच में थी, 137 महिलाओं की उम्र 30–40 साल के बीच थी, 185 महिलाओं की उम्र 40–50 साल के बीच थीं, 66 महिलाओं की उम्र 50–60 साल के बीच थी, 46 महिलाओं की उम्र 60 साल से अधिक थी।

### 4. शिक्षा का स्तर

| बुनियादी शिक्षा | हाईस्कूल | इंटरमीडिएट | स्नातक |
|---|---|---|---|
| 395 | 82 | 119 | 31 |

(सारणी संख्या 4)

प्रस्तुत शोध के अध्ययन में की गयी कुल 627 महिलाओ में से 395 महिलाएं बुनियादी शिक्षा, 82 हाईस्कूल शिक्षा, 119 इण्टरमीडिएट शिक्षा एवम 31 स्नातक शिक्षा गृहण करके कारखानों में कार्य कर रही थी।

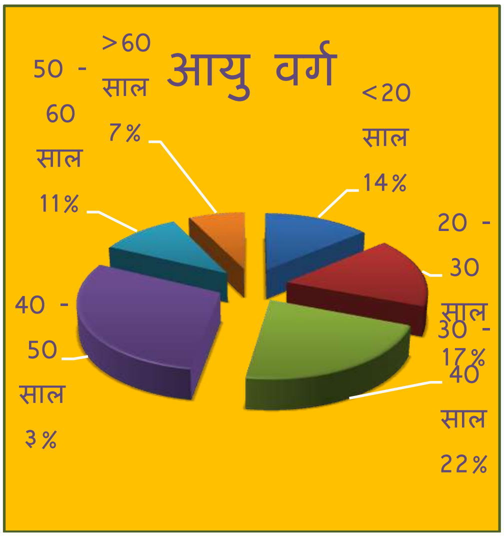


(चित्रसंख्या३)

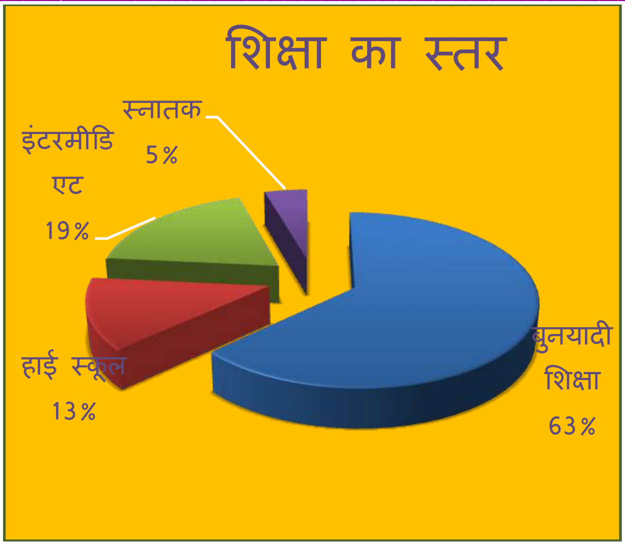


(चित्रसंख्या४)

## 5. क्या आप सोचती है कि सफल होने के लिए परिश्रम आवश्यक है?

| हाँ | नहीं |
|---|---|
| 537 | 90 |

(सारणी संख्या 5)

सर्वेक्षण में अध्ययन की गयी 627 महिलाओं में से 537 महिलाओं का मानना है किसफल होने के लिए परिश्रम आवश्यक है। जबकि 90 महिलाओं का मानना हे कि सफल होने के लिए परिश्रम आवश्यक नहीं है।

## 6. क्या आप अपनी आय से परिवार चलाती है?

| हाँ | नहीं |
|---|---|
| 558 | 69 |

(सारणी संख्या 6)

सर्वेक्षण में अध्ययन की गयी 627 महिलाओं मे सें 558 महिलाएं अपनी आय से अपना परिवार चलाती है।यहाँ यह ध्यान देने की आवश्यकता है कि ज्यादातर पुरूष अपनी आय व्यसनों पर खर्च कर देते हैं जिसमे शराब, सिगरेट, जुआ तथा अन्य व्यसन शामिलं है।

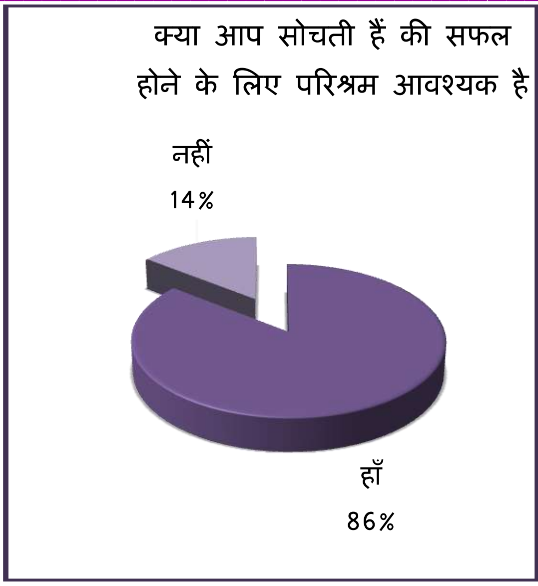


(चित्रसंख्या५)

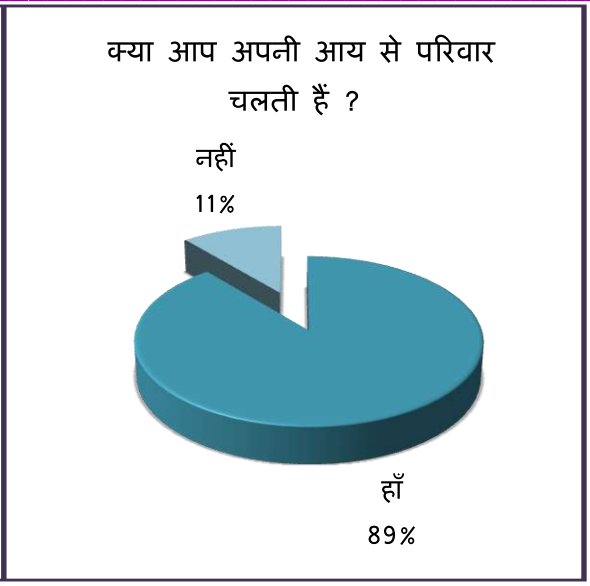


(चित्रसंख्या६)

**7. क्या किसी देश के निर्माण के लिए माहिलाओं का शिक्षित होना आवश्यक है?**

| हाँ | नहीं |
|---|---|
| 610 | 17 |

(सारणी संख्या 7)

सर्वेक्षण में अध्ययन की गयी 627 महिलाओं मे से 610 महिलाओं का मानना है कि देश निर्माण के लिए महिलाओं का शिक्षित होना आवश्यक है।इसका असर इस बात से भी दिखता है कि ये मजदूर महिलाएं अपने बच्चों का काम की जगह स्कूल भजना ज्यादा उचित समझती है।

**8. क्या आपका वेतन पुरूषों के समान है ?**

| हाँ | नहीं |
|---|---|
| 389 | 238 |

(सारणी संख्या 8)

सर्वेक्षण में अध्ययन की गयी 627 महिलाओं में से 389 महिलाओं का मानना है कि उनका वेतन पुरूषों के समान है परन्तु 238 महिलाओं का मानना है की पुरूषों को उनसे ज्यादा वेतन मिलता है।

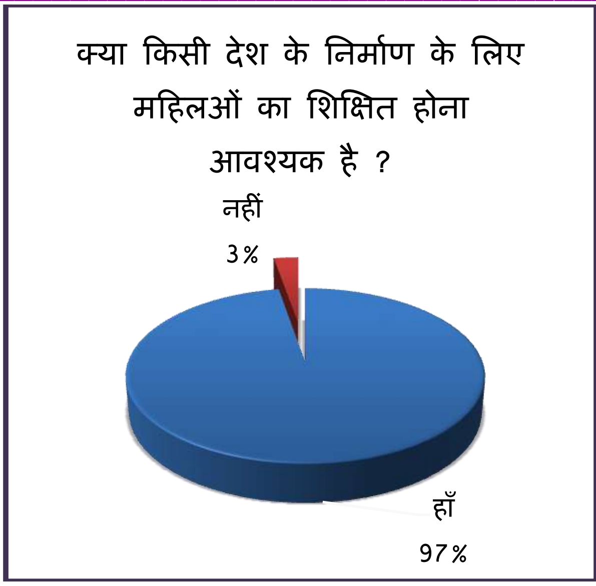


(चित्रसंख्या७)

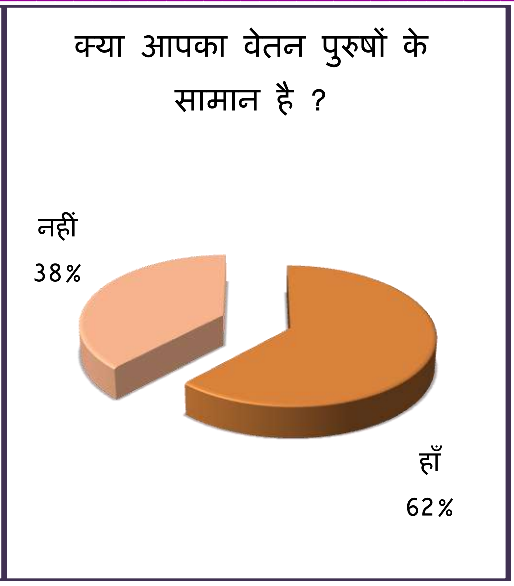


(चित्रसंख्या८)

### 9. क्या आपके साथ पुरूषों के सामान ही व्यवहार किया जाता है ?

| हाँ | नहीं |
|---|---|
| 350 | 277 |

(सारणी संख्या 9)

सर्वेक्षण में अध्ययन की गयी 627 महिलाओं में से 350 महिलाओं का मानना है कि उनके साथ पुरूषों के सामान ही व्यवहार किया जाता है परन्तु 277 महिलाओं का मानना है की पुरूषों को उनसे ज्यादा वेतन मिलता है, इस प्रश्न के उत्तर पर ज्यादातर महिलाऐं अस्पष्ट थीं जिसका कारण यह है कि इन महिलओ ने इसके बारे में कभी सोचा ही नहीं या यह कह सकते है कि इन महिलाओं के शिक्षा का स्तर इतना निम्न है कि वे इसके बारे सोच ही नहीं सकती है।

### 10. क्या कार्यस्थल पर आपको किसी प्रकार की परेशानी होती है ?

| हाँ | नहीं |
|---|---|
| 251 | 376 |

(सारणी संख्या 10)

सर्वेक्षण में अध्ययन की गयी 627 महिलाओं में से 376 महिलाओं का मानना है कि कार्यस्थल पर उनको किसी प्रकार की परेशानी नही होती है, परन्तु 251 महिलाओं का मानना है कि उन्हें कार्यस्थल पर परेशानी होती है जब उनसे यह पूछा गया कि किस प्रकार की परेशानी होती है तो उनके पास कोई सही उत्तर नही था।

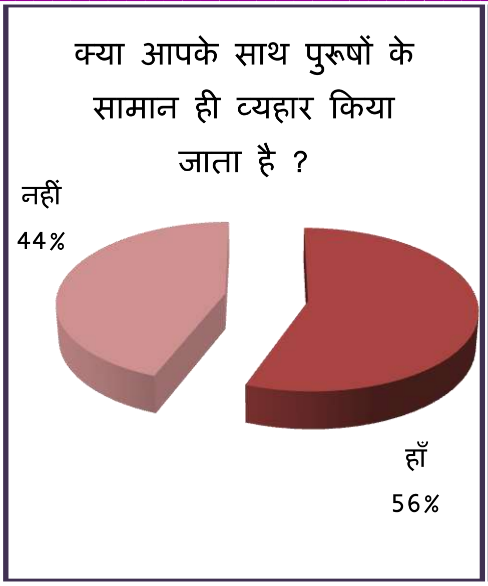


(चित्रसंख्या९)

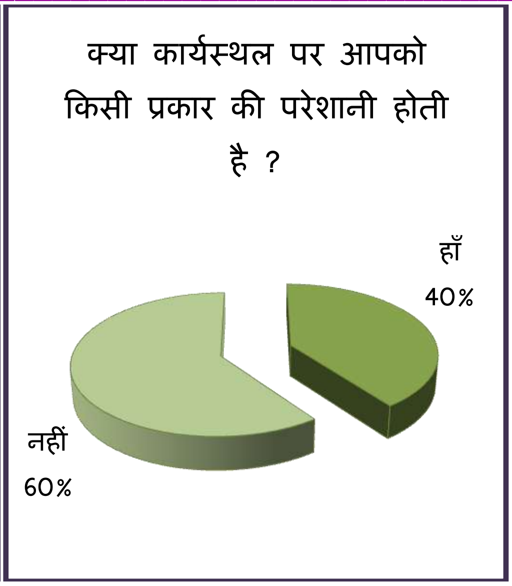


(चित्रसंख्या१०)

**11. क्या आपको पूरा वेतन मिलता है ?**

| हाँ | नहीं |
|---|---|
| 312 | 315 |

(सारणी संख्या 11)

सर्वेक्षण में अध्ययन की गयी 627 महिलाओं में से 312 महिलाओं का मानना है कि कार्यस्थल पर उनको पूरा वेतन मिलता है, वहीं 315 महिलाओं का मानना है कि कार्यस्थल पर उनको पूरा वेतन नही मिलता है।

**12. क्या आपके कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध है?**

| हाँ | नहीं |
|---|---|
| 309 | 318 |

(सारणी संख्या 12)

सर्वेक्षण में अध्ययन की गयी 627 महिलाओं में से 309 महिलाओं का मानना है कि कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध है। वहीं 318 महिलाओं का मानना है कि कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध नहीं है।

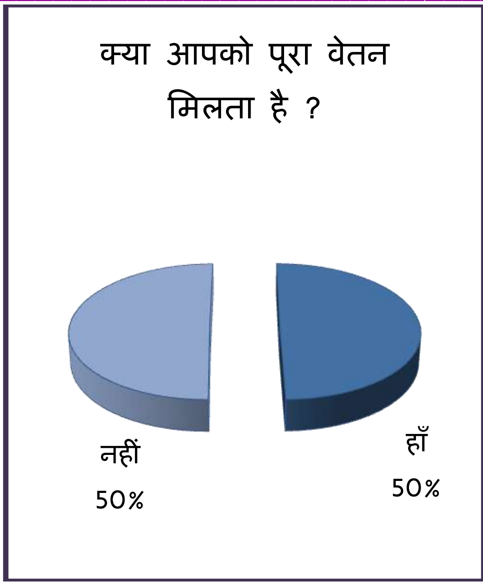


(चित्रसंख्या११)

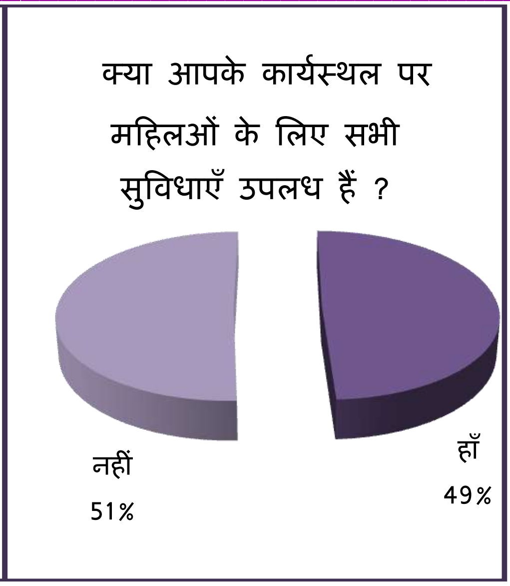


(चित्रसंख्या१२)

### 13. क्या कार्यस्थल पर भारत सरकार या राज्य सरकार द्वारा बनाये गए नियमों का पालन होता है?

| हाँ | नहीं |
|---|---|
| 309 | 318 |

(सारणी संख्या 13)

सर्वेक्षण में अध्ययन की गयी 627 महिलाओं में से 309 महिलाओं का मानना है कि कार्यस्थल पर भारत सरकार या राज्य सरकार द्वारा बनाये गये नियमों का पालन होता है। वहीं 318 महिलाओं का मानना है कि कार्यस्थल पर भारत सरकार या राज्य सरकार द्वारा बनाये गए नियमों का पालन नहीं होता है।

### 14. क्या आपके कार्य करने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है?

| हाँ | नहीं |
|---|---|
| 574 | 53 |

(सारणी संख्या 14)

सर्वेक्षण म अध्ययन की गयी 627 महिलाओं में से 574 महिलाओं का मानना है कि उनके कार्य करने से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। वहीं 53 महिलाओं का मानना है उनके कार्य करने से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं हुई है।

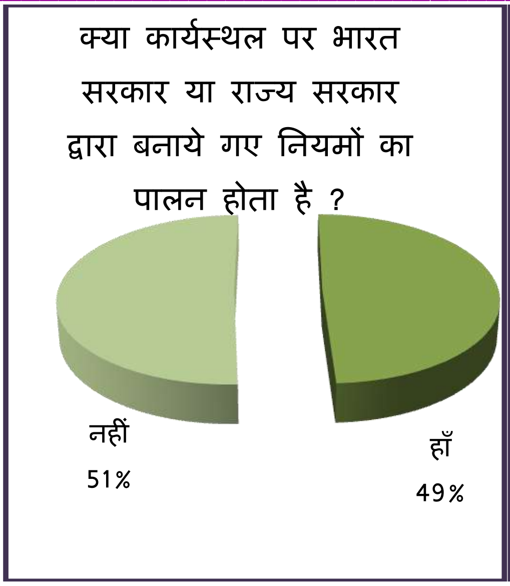


(चित्रसंख्या१३)

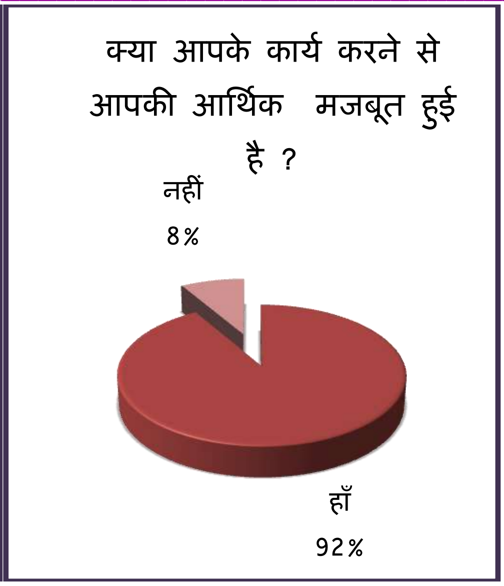


(चित्रसंख्या१४)

### 15. पारिवारिक निर्णयों में आपकी सहभागिता होती है या नही?

| हाँ | नहीं |
|---|---|
| 214 | 413 |

(सारणी संख्या 15)

सर्वेक्षण में अध्ययन की गयी 627 महिलाओं में से 214 महिलाओं का मानना है कि पारिवारिक निर्णयों मे उनकी सहभागिता होती है वही 413 महिलाओं का मानना है कि पारिवारिक निर्णयों में उनकी सहभागिता नही होती है।

### 16. क्या आपको लगता है कि आज की नारी अपने निर्णय लेने मे सक्षम है ?

| हाँ | नहीं |
|---|---|
| 483 | 144 |

(सारणी संख्या 16)

सर्वेक्षण में अध्ययन की गयी 627 महिलाओं में से 483 महिलाओं का मानना है कि आज की नारी अपने निर्णय लेने में सक्षम है वहीं 144 महिलाओं का मानना है आज की नारी निर्णय लेने में सक्षम नहीं है।

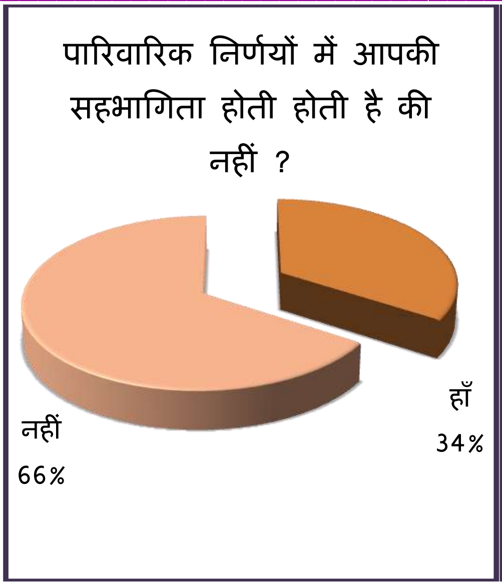


(चित्रसंख्या१५)

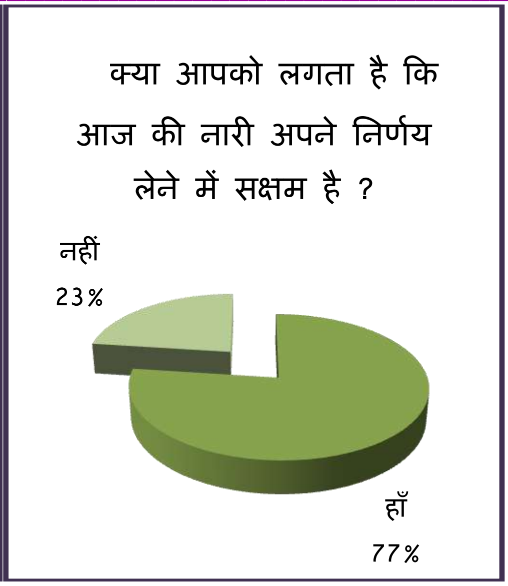


(चित्रसंख्या१६)

17. क्या आप अपने कार्य से संतुष्ट है ?

| हाँ | नहीं |
|---|---|
| 609 | 18 |

(सारणी संख्या 17)

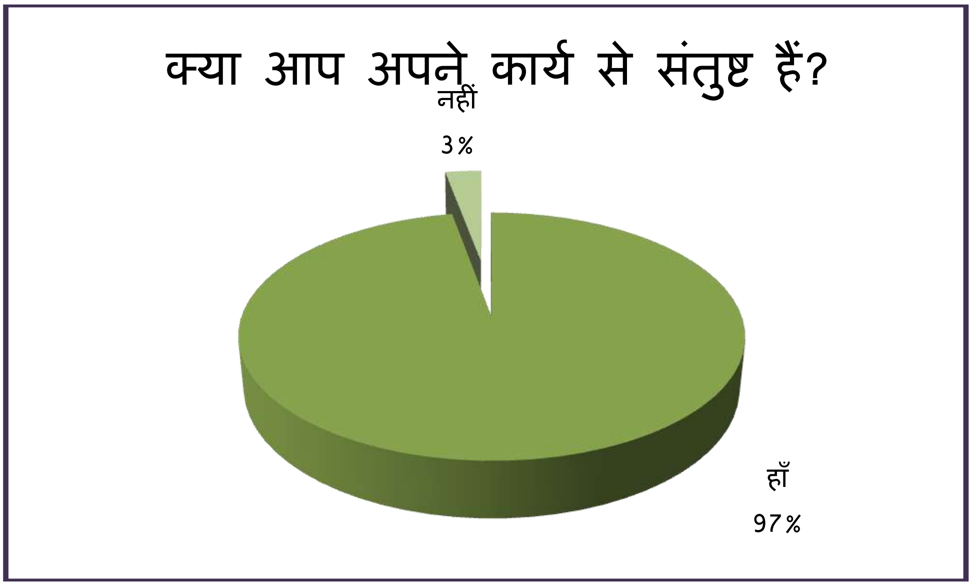


(चित्रसंख्या१७)

सर्वेक्षण में अध्ययन की गयी 627 महिलाओ में से 609 महिलाओं का मानना है कि आज की नारी निर्णय लेने में सक्षम है, वहीं 18 महिलाओं का मानना है कि आज की नारी अपने निर्णय लेनें में सक्षम नहीं है।

### 18. कार्यस्थल पर महिला होने के नाते आपका किसी प्रकार का शोषण(शारीरिक, मानसिक, आर्थिक) होता है या नहीं। यदि शोषण होता है तो किस प्रकार शोषण होता है?

सर्वेक्षण में अध्ययन की गयी 627 महिलाओं में से ज्यादातर को शोषण का वास्तविक अर्थ नहीं पता है। अतः काररवानों में होने वाले शारीरिक,मानसिक अथवा आर्थिक शोषण को ये महिलाऐं शोषण न समझकर इन्हें अपने दैनिक दिनचर्या का हिस्सा समझती है।

### 19. कार्य करने के कितने घंटे निर्धारित है ?

जहाँतक कारखानों में काम करने के घंटो के निर्धारित होने का सवाल है कानपुर के समस्त कारखानों में 8 घंटे की कार्य पाली है और यह सभी कारखानों में एक सामान है।

### निष्कर्षः–

समाजको महिला श्रमिकों को सामाजिक रूपांतरण के सक्रिय प्रवर्तक की दृष्टि से देखना चाहिए। उनमे निहित आर्थिक विकास की अपार क्षमता को पहचान कर उन्हें उपयुक्त कार्यकारी वातावरण देना चाहिए।

यह भी रेखाकिंत करना होगा कि कारखानों में कार्य करने वाली महिला श्रमिकों की कठिनाईयों के निराकरण हेतु अनेक उपाय शासकीय स्तर पर किये गए है, लैंगिक भेदभाव को दूर करने हेतु नियम–परिनियम बनाये गए है, जो सराहनीय तो है किन्तु उनकी प्रभावी क्षमता कार्य रूप लेती कम दिखाई देती है।

कुल मिलाकर एक ऐसा वातावरण गठित होना आवश्यक है जिसमें महिलाओं का परिवार, समाजएवं देश में बराबरी का दर्जा मिले तथा जो महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को अनुप्राणित कर सके।

उपरोक्त सभी बातों को ध्यान में रखते हुए इस अध्ययन के दौरान कानपुर के विभिन्न कारखानों में काम करने वाली महिलाओं का सर्वेक्षण उपरोक्त बिन्दुओं पर किया गया। इस सर्वेक्षण में कानपुर के विभिन्नकारखानों में काम करने वाली 627 महिलाओं का सर्वेक्षण किया गया तथा उनसे मिलने वाले उत्तरों की विवेचना करने के बाद हमें उपरोक्त निष्कर्ष प्राप्त हुए।

### सन्दर्भः–

1 Singh.S.N.(1990): Planning and Development of an Industrial Town : A Study of Kanpur, Mittal Pubilication, New Delhi.

2 Statisitical Profile On Wimen Labour, 2009-2011 Labour Bureau Ministry Of Labour & Employment Goverment Of India Chandigarh/Shimla.

3 ब्राजेन, येल, 1954 ''डिटरमिनेन्ट्य ऑफ आन्प्रेन्योरियल एबिलिटी'' सोशल रिसर्च एसोशिएशन, वॉल्यूम 21, पज 238।

4 दुबे, एस.सी. 1986 विकास का समाजशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5 आस्टरगार्ड, एल, 1984, जेनडर एण्ड डेवलपमेण्ट लंदन, रूटलेज

6सेठ, एन.आर., 2004, दी फील्ड ऑफ लेबर, सोशियोलॉजिकलबुलेटन, वॉल्यूम 53